BHDE-101/ई.एच.डी.–01

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2022 एवं जनवरी, 2023 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.डी.–01 / बी.एच.डी.ई.–101
हिन्दी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम

इग्नू जन-जन का विश्वविद्यालय
मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली-110 068

हिन्दी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम–03
सत्रीय कार्य

पाठ्यकम कोड : ई.एच.डी.–01 / बी.एच.डी.ई.–101

प्रिय छात्र / छात्राओ!
यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किये गये हैं।

उद्‌देश्य : सत्रीय कार्य का मुख्य उद्‌देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप स्वयं उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। उद्‌देश्य यह भी है कि अध्ययन के दौरान जो कुछ आपने सीखा और समझा है उसे आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें। यह पाठ्यक्रम हिन्दी संरचना पर आधारित है। इसके अध्ययन के उपरांत आप हिन्दी संरचना के विविध को समझ सकेंगे।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1. ऐच्छिक पाठ्यक्रम के लिए कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए विस्तृत निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए।
2. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।
3. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के प्रथम पृष्ठ के मध्य भाग में पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें।
4. उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा :

अनुक्रमांक : ....
नाम : ....
पता : ....
....
....

पाठ्यकम का नाम / कोड : ....
सत्रीय कार्य कोड : ....
अध्ययन केन्द्र का नाम / कोड : .... दिनांक : ....

---

5. उत्तर के लिए केवल फुलस्केप के आकार के कागज़ का इस्तेमाल करें और उन कागज़ों को अच्छी तरह से बाँध लें।
6. प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें और अपनी ही लिखावट में उत्तर दें।
7. सत्रीय कार्य पूरा करके जाँच के लिए अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक (Coordinator) के पास निर्धारित तिथि तक अवश्य जमा करा दें।

सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि :

जुलाई 2022 सत्र के लिए : **31 मार्च, 2023**
जनवरी 2023 सत्र के लिए : **30 सितंबर 2023**

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

सत्रीय कार्य में आपसे मुख्य रूप से दो तरह के प्रश्न पूछे गए हैं। निबंधात्मक और टिप्पणीपरक प्रश्न। इन प्रश्नों के उत्तर आपको निर्धारित शब्दों में देने हैं।

उत्तर देने के लिए आप निम्नलिखित विधि से तैयारी करेंगे तो आपके लिए लाभप्रद होगा :

1. **अध्ययन :** सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में सभी खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कीजिए।

2. **अभ्यास :** अपने उत्तर का प्रारूप लिखने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार का विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्ध और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

   यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

   क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों (Paragraphs) के बीच स्पष्ट क्रमबद्धता हो,
   ग) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा जो अपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो।
   घ) उत्तर प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो, और
   ङ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. **प्रस्तुति :** जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसको साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप ज़ोर देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

4. **विशेष :** अपने उत्तर की फोटो प्रति/कार्बन प्रति अपने पास अवश्य रखें।

शुभकामनाओं सहित!

नोट : याद रखें कि विश्वविद्यालय के नए नियमानुसार परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सत्रीय कार्य
(खंड 1 से 7 पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.डी.–1 / बी.एच.डी.ई.–101
सत्रीय कार्य कोड : ई.एच.डी.–1 / बी.एच.डी.ई.–101 / टी.एम.ए. / 2022–.23
कुल अंक : 100

भाग 'क'

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. **निम्नलिखित में से किन्हीं तीन गद्याशों की संदर्भ व्याख्या कीजिए।** **10×3=30**

(क) लड़ाई के समय चाँद निकल आया था। ऐसा चाँद जिसके प्रकाश से संस्कृत कवियों का दिया हुआ 'क्षयी' नाम सार्थक होता है। और हवा ऐसी चल रही थी, जैसे कि बाणभट्ट की भाषा में ''दंतवीणोपदेशाचार्य'' कहलाती।

(ख) शहर में न कोई हलचल थी न मारकाट। एक बूँद भी खून नहीं गिरा था। आज तक किसी स्वाधीन देश के राजा की पराजय इतनी शांति से, इस तरह खून बहे बिना न हुई होगी। यह वह अहिंसा न थी, जिस पर देवगण प्रसन्न होते हैं। यह वह कायरापन था जिस पर बड़े–बड़े कायर भी आँसू बहाते हैं।

(ग) और क्या साहब! देखिए कुछ लोग मुझसे कहते हैं कि जब आपने अपने लड़कों को बी.ए, एम.ए तक पढ़ाया है तब उनकी बहुँए भी ग्रेजुएट लीजिए। भला पूछिए इन अक्ल के ठेकेदारों से कि क्या लड़कों की पढ़ाई और लड़कियों की पढ़ाई एक बात है। अरे मर्दों का काम तो है ही पढ़ना और काबिल होना। अगर औरतें भी वही करने लगीं, अंग्रेजी अखबार पढ़ने लगी और 'पॉलिटिक्स' वगैरह पर बहस करने लगी तब तो हो चुकी गृहस्थी। जनाब, मोर के पंख होते हैं मोरनी के नहीं, शेर के बाल होते हैं, शेरनी के नहीं।

(घ) राजनीति? राजनीति ही मनुष्यों के लिए सब कुछ नहीं। राजनीति के पीछे नीति से भी हाथ न धो बैठो, जिसका विश्व मानव के साथ व्यापक संबंध है। राजनीति की साधारण छलनाओं से सफलता प्राप्त करके क्षण भर के लिए तुम अपने को चतुर समझ लेने की भूल कर सकते हो। परंतु इस भीषण संसार में प्रेम करने वाले हृदय को खो देना, सबसे बड़ी हानि है। शकराज! दो प्यार करने वाले हृदयों के बीच में स्वर्गीय ज्योति का निवास है।

(ड.) बाबा अब तो तुम लोगों की 'सैल्फगवर्नमेंट' है। अब कौन हम को पूछता है, जो जिसके जी में आता है करता है। अब चाहे वेद क्या संस्कृत का अक्षर भी स्वप्न में भी न देखा हो पर धर्म विषय पर वाद करने लगते हैं। हम तो केवल अदालत या व्यवहार या स्त्रियों के शपथ खाने को ही मिलाए जाते हैं। किसी को हमारी डर है? कोई भी हमारा सच्चा 'लायक' है?

भाग 'ख'

2. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** **15×4=60**

(क) द्विवेदी युग के नाटक, उपन्यास, कहानी, निबंध और समालोचना पर प्रकाश डालिए।
(ख) 'ध्रुवस्वामिनी' के संरचना और शिल्प पर टिप्पणी कीजिए।
(ग) 'निर्मला' उपन्यास की कथावस्तु की विशेषताएं बताइये।
(घ) 'रीढ़ की हड्डी' की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

(ङ) 'ठेस' कहानी के चरित्र–चित्रण पर चर्चा कीजिए।

(च) 'नाटक' विधा के मुख्य तत्वों पर प्रकाश डालिए।

3. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :** **5×2=10**

(क) ध्रुवस्वामिनी

(ख) मुंशी तोताराम

(ग) 'स्वर्ग में विचारसभा का अधिवेशन' की अन्तर्वस्तु को समझाइए

(घ) सिनेमा और टेलीविजन की पटकथा

(ङ) रात बीतने तक (रेडियो नाटक)

(च) कौमुदी महोत्सव